भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1557
28 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

वार्षिक कच्चे इस्पात उत्पादन के लक्ष्य संबंधी प्रगति

1557. **श्री अनन्त नायकः**

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2030 तक 300 एमटीपीए कच्चा इस्पात उत्पादन क्षमता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय क्षमता विस्तार में क्या प्रगति हुई है;

(ख) पिछली वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान अवसंरचना और निर्माण क्षेत्रों में तैयार इस्पात की खपत की दर्ज की गई मात्रा कितनी है;

(ग) इस्पात क्षेत्र में डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र और उत्सर्जन निगरानी प्रणालियों के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है; और

(घ) क्या ओडिशा के क्योंझर लोक सभा क्षेत्र, में किसी इस्पात निर्माण, लाभकरण, पेलेटाइजेशन, मूल्यवर्धन, या संबद्ध अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है अथवा उन्हें कार्यान्वित किया गया/प्रस्तावित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (ग): इस्पात नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, इसलिए इस्पात संयंत्रों द्वारा उत्सर्जन निगरानी प्रणालियों सहित किसी भी प्रौद्योगिकी को अपनाना बाजार की गतिशीलता और उनकी आर्थिक व्यवहार्यता पर निर्भर करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में, देश की क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता 220.41 मिलियन टन (एमटी) थी और इसी वित्तीय वर्ष के लिए तैयार इस्पात की खपत 164.36 एमटी थी। भारत में इस्पात की मांग मुख्य रूप से निर्माण क्षेत्र द्वारा संचालित होती है, जो कुल इस्पात खपत का 37% है, इसके बाद अवसंरचना (30%), इंजीनियरिंग, उपकरण और पैकेजिंग (17%), ऑटोमोबाइल (11%), और अन्य क्षेत्र (5%) आते हैं।

(घ): दिनांक 31 मार्च, 2026 तक, ओडिशा के क्योंझर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 64.89 मिलियन टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता के साथ 48 इस्पात विनिर्माण इकाइयां प्रचालनरत थीं।

*****